जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 48 | संख्याः 355 | प्रभात | कोटा, रविवार 8 अक्टूबर, 2023 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

इमरान मसूद की कांग्रेस में वापसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के पूर्व कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक इमरान मसूद की कांग्रेस में वापसी हो गई है। मसूद वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा में चले गए थे, और उसके बाद वे बसपा में चले गए थे। अगस्त में बसपा ने उन्हें राहुल गांधी की प्रशंसा करने के लिए निष्कासित कर दिया था।

- **इमरान मसूद 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा में चले गए थे और फिर बसपा में, जहां से उन्हें अगस्त में निष्कासित कर दिया गया था।**

कांग्रेस में वापसी पर स्वागत करते हुए कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन पवन खेडा तथा उत्तर प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश भर में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन रहा है। मसूद की वापसी से सहारनपुर में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

गांधी परिवार की अंदरूनी लड़ाई में फंसी कांग्रेस

प्रियंका गांधी को ए.आई.सी.सी. में कोई पद नहीं देना चाहते हैं राहुल गांधी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस पार्टी एक विचित्र दुविधा में फंसी हुई है। वह अपने नए पदाधिकारियों की सूची जारी नहीं कर पा रही है। पार्टी क्षेत्रों में पूछा जा रहा है कि ऐसा क्यों है।

ऐसा समझा जाता है कि असली मुद्दा है कांग्रेस के प्रथम परिवार की अंदरुनी लड़ाई।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी, प्रियंका को ए.आई.सी.सी. में कोई पद नहीं देना चाहते लेकिन इस प्रस्ताव को अभी तक सोनिया गांधी से स्वीकृति नहीं मिली है।

ऐसा समझा जाता है कि राहुल के सलाहकारों ने उन्हें यह समझाया है कि प्रियंका सत्ता का एक और केन्द्र बन जाएंगी और राहुल का प्रभाव कम करेंगी।

प्रियंका उत्तर प्रदेश की प्रभारी ए.आई.सी.सी. महासचिव रही हैं लेकिन उनके कार्यकाल में पार्टी की राज्य इकाई पहले से ज्यादा कमजोर हुई हैं लेकिन प्रियंका का ध्यान उत्तर प्रदेश की बजाय अन्य राज्यों पर है।

पिछले कुछ समय से प्रियंका के किसी विश्वास पात्र को पार्टी में कोई प्रमुख पद नहीं दिया गया है।

- **सूत्रों के अनुसार, राहुल को उनके करीबियों ने सलाह दी है कि, ऐसा हुआ तो प्रियंका एक और "पावर सैंटर" बन जाएंगी।**
- **सूत्रों से पता चला है कि, यही कारण है कि, नए पदाधिकारियों की लिस्ट अभी तक भी घोषित नहीं हुई है।**
- **प्रियंका को ए.आई.सी.सी. से दूर रखने के फैसले पर अभी सोनिया गांधी की मंजूरी नहीं मिली है।**

इससे पता चलता है कि पार्टी के भीतर क्या हो रहा है लेकिन प्रियंका गांधी ने कई राज्यों में अभियान जारी कर रखा है क्योंकि उनका मुख्य फोकस छत्तीसगढ़ पर है जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उनके नजदीकी हैं।

राहुल गांधी कांगेस पार्टी पर अपना नियंत्रण मजबूत कर रहे हैं और यह देखना है कि क्या वे "मिशन प्रियंका" क्रियान्वित कर पाते हैं या नहीं।

'ना तो चीन से पैसा लिया, ना ही कोई निर्देश'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। न्यूज़ क्लिक पोर्टल ने दिल्ली पुलिस की एफ.आई.आर. में दर्ज आरोपों को बोगस व अस्वीकार्य बताया और कहा कि, यह कार्यवाही भारत में स्वतंत्र प्रैस की आवाज़ दबाने के लिए की गई है।

दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद विरोधी कानून यू.ए.पी.ए. के तहत न्यूज़ क्लिक पर एफ.आई.आर. दर्ज की है और आरोप लगाया है कि इसे भारत की सम्प्रभुता तोड़ने और देश में वैमनस्य फैलाने के लिए चीन से पैसा मिला है तथा यह एक वृहद अपराधिक साजिश का अंग है। दावा है कि फंड नैवेली रॉय सिंघम ने दिया है, जो कि कम्युनिस्ट पार्टी के प्रचार विभाग से जुड़ा हुआ है।

- **'न्यूज़ क्लिक ने कहा कि, एफ.आई.आर. में दर्ज आरोप "बोगस" हैं'**
- **न्यूज़ क्लिक ने यह भी कहा कि, एफ.आई.आर. स्वतंत्र प्रैस की आवाज़ दबाने के लिए दर्ज की गई है।**

शुक्रवार की रात एक्स पर बयान जारी कर पोर्टल ने कहा कि न्यूज़ क्लिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश में जल्द ही घोषित होगी कांग्रेस की लिस्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस के केन्द्रीय चुनाव समिति ने शनिवार को ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में बैठक की। मध्य प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रुप देने के लिए।

- **इस संबंध में शनिवार को ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक ली, जिसमें सोनिया व राहुल ने भी शिरकत की।**

बैठक की अध्यक्षता पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की और सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी उसमें उपस्थित रहे। बैठक में 1 राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और ए.आई.सी.सी. महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मौजूद थे।

शुक्रवार को ही भाजपा ने कांग्रेस पर तंज कसा था कि अंदरुनी मतभेद के कारण वह मध्य प्रदेश में अपने प्रत्याशी घोषित नहीं कर पा रही है, जबकि भाजपा तीन किश्तों में 79 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा सामूहिक रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा कर तीन केन्द्रीय मंत्रियों और पांच सांसदों के नाम घोषित कर चुकी है। कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि पहले 18 महीने मुख्यमंत्री रहे कमलनाथ को इस बार भी मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाने के संकेत मिल चुके हैं।

भाजपा और कांग्रेस का "पोस्टर वॉर" चरम पर पहुंचा

"रावण" के जवाब में कांग्रेस ने मोदी के खिलाफ पोस्टरों की श्रृंखला जारी की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस और भाजपा के बीच "पोस्टर युद्ध" खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आगे मांग की है कि, प्रधानमंत्री का चित्रण, तुगलक राजवंश के दूसरे शासक और विलक्षण प्रतिभा वाले "सनकी" मोहम्मद बिन तुगलक के रुप में करने के लिए कांग्रेस की मान्यता समाप्त की जाए।

पिछले कुछ दिनों से दोनों पार्टियों के बीच गहन पोस्टर वॉर चल रहा है। पहले भाजपा ने अपने अधिकारिक हैण्डल पर राहुल गाँधी का एक पोस्टर रिलीज़ किया जिसमें राहुल को "रावण" के रुप में दिखाया गया। इसके साथ कैप्शन में लिखा था, "नए युग का रावण। यह दुष्ट, धर्म विरोधी और राम विरोधी है और इसका लक्ष्य भारत को नष्ट करना है।"

कांग्रेस कैम्प ने इस पोस्टर की खूब निंदा की और आरोप लगाया कि, भाजपा लोगों को राहुल के विरुद्ध हिंसा के लिए उकसा रही है। इसी के साथ कांग्रेस ने एक पोस्टर जारी किया जिसमें प्रधानमंत्री को अरबपति अडानी की कठपुतली के रुप में दिखाया गया। इसके बाद कई और पोस्टर सामने आए हैं। एक में, मोदी और शाह की फोटो के साथ कैप्शन है, "प्रैज़ैन्टिंग नरेन्द्र मोदी, द जुमला बॉय।" एक अन्य पोस्टर में प्रधानमंत्री का चित्रण "दानव" के रुप में किया गया है तथा उसके साथ कैप्शन में लिखा है, "मोडानी: हिन्दुस्तान खतरे में।" एक और पोस्टर में प्रधानमंत्री की छवि के साथ कैप्शन दिया है, "बड़ा झूठा कौन है।"

- **एक पोस्टर में मोदी को तुगलक वंश के सनकी बादशाह, मुहम्मद बिन तुगलक के रूप में दर्शाया गया है।**
- **एक अन्य पोस्टर में मोदी को अडानी की कठपुतली और एक अन्य में उन्हें "दानव" के रूप में पेश किया गया है।**
- **कांग्रेस के इन पोस्टरों से नाराज होकर वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पार्टी की मान्यता खत्म करने की मांग की।**

पोस्टर, बैनर, झण्डे और नारों का उपयोग लंबे समय से राजनीतिक संदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)